एक नजर में

97.8 प्रतिशत के साथ चमके विर्हष

ग्वालियर 21 अप्रैल. सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर डीपीएसस्कूल के छात्र विर्हष जैन ने शानदार सफलता हासिल की है। विर्हष जैन की सफलता के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने नियमित अध्ययन और समय प्रबंधन को अपनी तैयारी का आधार बनाया, जिससे वे हर विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके। विर्हष ने अपनी पढ़ाई के दौरान जादौन इंस्टीट्यूट से मार्गदर्शन प्राप्त किया। जादौन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर सौम्य जादौन ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन और स्मार्ट स्टडी प्लानिंग के जरिए सही दिशा दी। उनकी शिक्षण पद्धति ने विर्हष की कमजोरियों को दूर कर उन्हें आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया। उनकी यह उपलब्धि यह साबित करती है कि अगर मेहनत के साथ सही मार्गदर्शन मिल जाए, तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

आज कई क्षेत्रों में नहीं पहुंचेगा पानी

ग्वालियर 21 अप्रैल .मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, ग्वालियर द्वारा जे.ए.एच. एवं 1000 बिस्तर अस्पताल के मध्य अंडरपास निर्माण कार्य किया जा रहा है। उक्त निर्माण कार्य के दौरान बाधा बन रही जलापूर्ति लाइनों को शिफ्ट करने का कार्य मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा प्रगति पर है। सहायक यंत्री श्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस क्रम में शिफ्टिंग के तहत बिछाई गई नई जल लाइनों का मिलान पुरानी एक्जिस्टिंग लाइनों से किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए प्रबंधक, मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, ग्वालियर द्वारा 2 अप्रैल तक वर्तमान जलापूर्ति लाइन को अस्थायी रूप से बंद रखने का अनुरोध किया गया है। फलस्वरूप, 22 अप्रैल को जलप्रदाय बाधित रहने के कारण शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में नेहरू पार्क कंपू, नयाबाजार, लोहिया बाजार, रॉक्सी पुल, लक्कड़खाना, ईदगाह कंपू, जवाहर कॉलोनी (लोहिया बाजार), जिंसी नाला नंबर 01 एवं 02, निम्बालकर की गोठ नंबर 01, टापू मोहल्ला, कैलादेवी कॉलोनी, महावीर कॉलोनी, अवाडपुरा, किरार कॉलोनी, माणिक की गोठ आदि क्षेत्र शामिल हैं।

उच्च न्यायालय ग्वालियर में आज 'उड़ान' कार्यशाला

ग्वालियर 21 अप्रैल. उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर स्थित रीजनल ट्रेनिंग सेंटर राज्य न्यायिक अकादमी में बुधवार 22 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से 'उड़ान' कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह आयोजन मुख्य न्यायाधिपति एवं मुख्य संरक्षक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा नालसा (चाईल्ड फ्रेंडली लीगल सर्विसेज फॉर चिल्ड्रन) स्कीम के तहत किशोर न्यायिक समिति उच्च न्यायालय के सहयोग से किया जा रहा है।

मर्सी होम में पिलाया गन्ने का रस

ग्वालियर 21 अप्रैल. राजस्व निरीक्षक होतम सिंह यादव ने आज डोंगरपुर के समीप स्थित 'स्वीट होम' (मर्सी होम) में रह रहे बेसहारा लोगों व बच्चों को गन्ने का रस पिलाया एवं फल वितरित किए।

सिविल अस्पताल बिरला नगर में हुये हड्डी के दो सफल ऑपरेशन

ग्वालियर 21 अप्रैल. कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान के मार्गदर्शन में बिरला नगर सिविल अस्पताल के चिकित्सक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आमजन को प्रदान कर रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला ग्वालियर डॉक्टर सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि सिविल अस्पताल बिरला नगर ग्वालियर की टीम ने मंगलवार को हड्डी के दो मरीजों के सफल ऑपरेशन कर बेहतर काम किया। सिविल अस्पताल बिरला नगर के अधीक्षक डॉ. जे.के. मसोरिया ने बताया कि मंगलवार को सिविल अस्पताल बिरला नगर ग्वालियर में दो हड्डी के मेजर ऑपरेशन किये गये जिसमें 8 साल का बच्चा हरिओम पुत्र आशीष राजपूत निवासी भिण्ड एवं मकसूद पुत्र श्री भूरे खॉन उम्र 45 साल निवासी घासमंडी का ऑपरेशन किया गया। जिसके अंतर्गत हरिओम जिसकी जाँघ की हड्डी टूट गई थी एवं दूसरा मरीज मकसूद की एढ़ी की हड़?डी टूटी थी दोनो मरीजों का सफल ऑपरेशन सी.आर्म मशीन की सहायता से डॉ0 ए.के. खरे एवं डॉ0 हरेन्द्र प्रताप सिंह तोमर अस्थिरोग विशेषज्ञ, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ0 अभिषेक शर्मा, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ0 अमीर खान व ओ.टी. की समस्त टीम की मदद से सफल ऑपरेशन किये गये। चिकित्सको की इस उपलब्धि पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर डॉक्टर सचिन श्रीवास्तव ने चिकित्सको एवं पूरी टीम सहित अस्पताल प्रशासन को बधाई दी।

सपा की महापंचायत1 मई को, आज होगी अहम बैठक

ग्वालियर 21 अप्रैल. समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव, अनुशासन समिति के सदस्य एवं मजदूर सभा के मध्य प्रदेश प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए भाजपा और कांग्रेस की नीतियों पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर जिले सहित पूरे मध्य प्रदेश में पिछले कई दशकों से मजदूरों और किसानों के साथ निरंतर अन्याय हो रहा है। दोनों दलों की गलत नीतियों के कारण प्रदेश के अनगिनत कारखाने बंद पड़े हैं, लेकिन आज तक उनके श्रमिकों की देनदारियों का भुगतान नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि दिवाली से पूर्व मुख्यमंत्री ने जेसी मिल के मजदूरों को भुगतान दिलाने का आश्वासन दिया था, जो जमीनी हकीकत में कहीं नजर नहीं आ रहा है। इसके अलावा डबरा शुगर मिल के किसानों व मजदूरों का बकाया भुगतान जैसे मुद्दे भी नहीं पूरे हुए हैं। इन श्रमिक व किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ समाजवादी पार्टी आगामी 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक एक विशाल महापंचायत का आयोजन करने जा रही है। इस महापंचायत की तैयारियों एवं रूपरेखा तय करने हेतु आज दोपहर 12 बजे ग्वालियर स्थित नवीन विश्राम गृह में एक आवश्यक बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में ग्वालियर जिले में निवास करने वाले समस्त राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बाजारों में सजे मटके, सेहत के प्रति जागरूक लोग अब भी कर रहे पसंद

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर 21 अप्रैल. आज कल लोग आरओ का फिल्टर वाला, बंद बोतल और फ्रिज का ठंडा पानी पीना पसंद करते हो, लेकिन मिट्टी का देशी फ्रिज (मटका) सदियों से पानी को ठंडा और ताजा रखने के लिए उपयोग किया जाता रहा है. जैसे-जैसे सूरज की तपिश बढ़ रही है और पारा लगभग 42 डिग्री सेल्सियस को छूने लगा है, लोग प्यास बुझाने के लिए ठंडे पानी की तलाश में हैं। कभी गर्मियों की आहट होते ही शहर के चौराहों पर मिट्टी के घड़ों और सुराहियों की दुकानें सज जाती थीं, जिन्हें शान से देसी फ्रिज कहा जाता था। हालांकि, आज के दौर में घर-घर इलेक्ट्रिक फ्रिज होने के बावजूद मिट्टी के बर्तनों की अपनी एक साख बची हुई है, गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही मिट्टी के मटकों की मांग देखी जा रही है. सड़क के सहारे जगह-जगह मटकों की दुकानें सज गई

हैं. लेकिन बाजार के आंकड़े बताते हैं कि मिट्टी की यह सोंधी महक अब धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है। जानकारों की मानें तो फ्रिज का कृत्रिम रूप से ठंडा किया गया पानी गले और पाचन के लिए हानिकारक हो सकता है, जबकि मिट्टी का घड़ा पानी को प्राकृतिक तरीके से ठंडा करता है। मिट्टी के क्षारीय तत्व पानी की अम्लता को कम करते हैं, जिससे शरीर का पी एच बैलेंस बना रहता है।

मटकों को बनाया जा रहा आधुनिक

समय के साथ मिट्टी के मटके को अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाने के लिए आधुनिक बनाया जा रहा है। विभिन्न आकारों, रंगों और डिजाइनों में मटके बाजार में उपलब्ध हैं। लोगों के लिए मटके घर की सजावट का एक स्टाइलिश माध्यम भी बनते जा रहे हैं। लोगों की सहूलियत के लिए वाटर कूलर की तरह मटकों में नल भी लगाए जा रहे हैं, जो पानी को आसानी से निकालना संभव बनाते हैं।मटका रखने के लिए तरह-तरह के स्टेंड भी तैयार किए गए हैं।

गर्मी में मिलता है ताजगी भरा पानी- हालांकि महंगाई के चलते इन बर्तनों की कीमत भी बढ़ी है. लगभग ?30 से लेकर ?200 तक के पास आ रहा मैं मटके उपलब्ध है। यहीं कारण गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही आधुनिक युग में भी मिट्टी के मटके अपनी स्वास्थ्यवर्धक विशेषताओं और पारंपरिक आकर्षण के कारण प्रासंगिक बनने लगे हैं. बुजुर्गों के अनुसार मिट्टी के मटके प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखते हैं, जिससे तेज गर्मी में भी ताजगी भरा पानी मिलता है।

क्यों कम हो रहा रुझान? बटन दबाते ही बर्फ जैसा ठंडा पानी मिलना लोगों को ज्यादा आसान लगता है। छोटे फ्लैटों में मटके रखने के लिए अलग स्टैंड और पानी छलकने के डर से लोग कतराते हैं। मिट्टी के बर्तनों को हर साल बदलना पड़ता है, जबकि फ्रिज सालों साल चलता है। बदलते दौर में भले ही मिट्टी के बर्तनों की चमक कम हुई हो, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग अब भी 'देसी फ्रिज' को प्राथमिकता दे रहे हैं। जरूरत है इन पारंपरिक कारीगरों को बढ़ावा देने की, ताकि हमारी यह अनमोल विरासत लुप्त न हो जाए।

क्या कहते हैं दुकानदार -

पिछले 40 सालों से मैं इसी चौक पर मटके बेच रहीं हूँ। पहले सीजन शुरू होते ही एक दिन मे एक ट्रक लगभग 500 मटके बिक गए है। सीजन चल रहा है तो रोज के 50 मटके बिक जाते है, लेकिन लोग मोलभाव बहुत करते हैं। अब बिक्री पहले के मुकाबले कुछ कम हो गई है। टोटी वाले मटके लोग पसंद करने लगे है। साथ ही झांसी वाला मटका नाम से प्रसिद्ध मटका पानी ज्यादा ठंडा करता है तो लोग इसको ज्यादा पसंद करते हैं, गर्मी बढ़ेगी, मटकों की बिक्री भी बढ़ेगी

- यशोदा शाक्य, मटका विक्रेता

लगभग 100 साल पुरानी दुकान है, पापा भी मटका बेचा करते थे, अभी खरीदारी चालू हो गई है जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी बिक्री भी बढ़ेगी द्ध अब बाजार में नए डिजाइन के नल वाले मटके और कैंपर जैसे बर्तन आ गए हैं, इसलिए थोड़ी बहुत मांग बनी हुई है। लेकिन आज की पीढ़ी को मिट्टी के बर्तन अच्छे नहीं लगते हैं। लेकिन आज भी कुछ लोग मिट्टी के मैचों को स्वास्थ्य के लिए अच्छा मानते हैं वह लोग खरीदकर ले जाते हैं

- भरत नरवरिया, मटका विक्रेता

स्मार्ट मीटर से लाखों रुपये की बचत

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 21 अप्रैल. नगर निगम ग्वालियर द्वारा ऊर्जा संरक्षण और व्यय नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शहर में एनर्जी ऑडिट का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। इस संबंध में सहायक यंत्री विद्युत श्री रामबाबू दिनकर ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के विशेष प्रयासों से यह कार्य प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य विद्युत खपत में पारदर्शिता लाना एवं अनावश्यक खर्च में कमी करना है।

उन्होंने बताया कि एनर्जी ऑडिट का कार्य फर्म मै. शिनफील्ड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया जा रहा है। प्रथम चरण में नगर निगम के विभिन्न विद्युत कनेक्शनों पर स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा रहे हैं। अब तक कुल 1311 कनेक्शनों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें से 551 स्मार्ट मीटरों के आधार पर मार्च 2026 माह के विद्युत बिल जारी किए गए हैं।

इन 551 स्मार्ट मीटरों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 में कुल विद्युत बिल राशि 79,53,860 रुपये रही, जबकि पूर्व में सितंबर 2025 माह में यह राशि 1,04,10,908 रुपये थी। इस प्रकार मात्र छह माह में ही 24,57,048 रुपये की उल्लेखनीय बचत दर्ज की गई है, जो ऊर्जा प्रबंधन की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है।

श्री दिनकर ने आगे बताया कि आगामी महीनों में नगर निगम के सभी विद्युत कनेक्शनों पर स्मार्ट मीटर लगाए जाने का कार्य निरंतर प्रगति पर है। इस पहल से न केवल ऊर्जा की बचत होगी, बल्कि विद्युत उपभोग का सटीक आकलन भी संभव हो सकेगा, जिससे भविष्य में और अधिक प्रभावी योजना बनाना आसान होगा।

परिषद की बैठक में सीवर संधारण ठेका प्रथा समाप्त करने का निर्णय

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 21 अप्रैल. नगर निगम परिषद के विशेष अभियाचित सम्मेलन का आयोजन सभापति श्री मनोज सिंह तोमर की अध्यक्षता में निगम परिषद कार्यालय में आयोजित किया गया। बैठक में चर्चा जारी रहते बैठक 23 अप्रैल दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

निगम परिषद में आयोजित बैठक सीवर संधारण व्यवस्था पर चर्चा हुई। जिसमें चर्चा उपरांत सभापति श्री तोमर ने निर्णय सुनाते हुए कहा कि सर्वसम्मति से सीवर संधारण में ठेका प्रथा समाप्त की जाती है तथा अब नगर निगम व्यवस्था संभालेगा इसके लिए डेढ़ माह में नगर निगम सारी व्यवस्थायें कर ले और जब तक संबंधित ठेकेदार से ही कार्य कराये, यदि ठेकेदार कार्य में

लापरवाही करते है तो उसकी भुगतान रोक कर अमानत राशि जप्त की जाए एवं ब्लैक लिस्टेड की कार्यवाही करें आवश्यकता हो तो एफ आई आर भी करायें। उपरोक्त व्यवस्था विभागीय कराते हुए उस क्षेत्र के उपयंत्री एवं सहायक यंत्री पीएचई को जिम्मेदारी देते हुए अन्य प्रभार से हटाया जाता है एवं भविष्य में अन्य कोई प्रभार न दिया जाए। गंदे नाले एंव नाली जो सीवर में मिले हैं उनके मुहाने बंद कराकर अन्य व्यवस्था कराने हेतु क्षेत्र के जेडओ एवं सहायक यंत्री को आदेशित किया जाता है। सीवर व्यवस्था हेतु सुपर सकर मशीन जो क्रय की जा रही है उसमें संचालन एवं संधारण की राशि पर रोक लगाई जाए। इसके साथ ही सड़क सफाई व्यवस्था ठेके पर दी जा रही है, इस पर तत्काल रोक लगाई जाए।

इसके साथ ही मेयर इन काउंसिल द्वारा 330 सफाई श्रमिक रखे जाने हेतु अनुशंसा की गई है, चर्चा उपरांत इसमें से तीन-तीन कर्मचारी प्रत्येक वार्ड में दिए जाए। निगमायुक्त परिषद द्वारा लिए गए इस निर्णय का पालन सुनिश्चित करें।

परिषद में प्रदेश सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा प्रेषित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में प्रस्ताव पर चर्चा उपरांत प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

बैठक के अंत में भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्णाचार्य गजेन्द्रगढकर की धर्मपत्नि श्रीमती यशस्वनी गजेन्द्र गढकर, पार्षद श्री नागेन्द्र राणा के बडे भाई ठाकुर अभिनेन्द्र सिंह राणा, पूर्व मंत्री श्री अनूप मिश्रा के छोटे भाई श्री अजय मिश्रा, मशहूर गायिका सुश्री आशा भोसले, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मनीशा भुजवल, सेवा भारती एवं राष्ट्र उत्थान न्यास के अध्यक्ष श्री विजय गुप्ता के आकस्मिक निधन होने पर निगम परिषद द्वारा दो मिनट का मौन रखते हुए शोक संवेदना व्यक्त की गई।

पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के लिए जिला नोडल अधिकारी नियुक्त

ग्वालियर, 21 अप्रैल. ग्वालियर जिले में भी आयुक्त, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित 'ज्ञान भारतम पांडुलिपि मिशन' के अंतर्गत पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में स्थित निजी शोध संस्थान, महाविद्यालय, ग्रंथालय, मंदिरों, मठ/आश्रम एवं निजी ट्रस्ट आदि में संरक्षित प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों की खोज कर उनकी जानकारी 'ज्ञान भारतम' एप के माध्यम से अपलोड की जाएगी। अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन जिला स्तरीय समिति की देखरेख में किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अभियान के समन्वय एवं आवश्यक कार्यवाही के सुचारू संचालन के लिए श्री गिर्राज शर्मा, प्रशासनिक प्रभारी, शासकीय ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर को जिला स्तरीय समिति का जिला नोडल अधिकारी एवं सदस्य सचिव नियुक्त किया है। इस अभियान के माध्यम से जिले में उपलब्ध प्राचीन धरोहर स्वरूप पांडुलिपियों का संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

मुरार जिला अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट के मरीज को 'जीवनदान'

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 21 अप्रैल. कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के चिकित्सक स्वास्थ्य सेवाओं में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। मंगलवार को जिला चिकित्सालय मुरार के डॉक्टरों ?डॉ. मुकेश तोमर, मेडिसिन विशेषज्ञ, ?डॉ. दिलीप पंडोलिया, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, डॉ. जे.पी.एन. शर्मा आर.एम.ओ. की सूझबूझ और 108 टीम के त्वरित रिस्पॉन्स एंव सुरक्षित शिफ्टिंग से कार्डियक अरेस्ट के एक गंभीर मरीज को नई जिंदगी मिल गई।

इमरजेंसी में आते ही हो गए थे बेहोश- सिविल सर्जन डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि मंगलवार सुबह मुरार निवासी एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचे थे। इमरजेंसी वार्ड में आते ही वह अचानक बेहोश हो गए। ड्यूटी पर तैनात मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. मुकेश तोमर ने बिना समय गंवाए मरीज की ईसीजी कराई, जिसमें 'सीवियर हार्ट अटैक' की पुष्टि हुई।

सीपीआर और

डिफिब्रिलेटर से बचाई जान- डॉ. तोमर और उनकी टीम ने तत्काल सीपीआर सीपीआर शुरू किया। मरीज की स्थिति नाजुक देखते हुए उन्हें दो-दो मिनट के अंतराल पर तीन बार इलेक्ट्रॉनिक शॉक (डिफिब्रिलेटर) दिए गए। इसके साथ ही डॉ. तोमर ने हार्ट ब्लॉकेज के लिए खून पतला करने का इंजेक्शन दिया, जिससे मरीज की हालत में सुधार होना शुरू हुआ।

विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने संभाला मोर्चा

हालत स्थिर होते ही एनेस्थीसिया टीम को बुलाया गया। डॉ. दिलीप पंडोलिया एनेस्थेसियोलॉजिस्ट ने मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर लेकर कार्डियक इमरजेंसी दवाएं दीं। इस दौरान अस्पताल के आर.एम.ओ. डॉ. जे.पी.एन. शर्मा ने त्वरित समन्वय किया।

108 एम्बुलेंस की सक्रियता

मरीज को हायर सेंटर शिफ्ट करने के लिए आर.एम.ओ. ने 108 के जिला नोडल अधिकारी इंद्रपाल निवारिया से संपर्क किया। निर्देश मिलते ही 108 एम्बुलेंस के अधिकारियों ने तत्परता दिखाई और वाहन कुछ ही मिनटों में अस्पताल पहुंच गया। डॉक्टरों की निगरानी में मरीज को तत्काल जयारोग्य अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में सुरक्षित पहुंचाया गया।

सीएमएचओ ने की टीम की सराहना

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने चिकित्सकों और उनकी टीम की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की त्वरित निर्णय क्षमता और 108 टीम के समन्वय से ही एक अनमोल जान बचाई जा सकी है। मुरार जिला अस्पताल के डॉक्टरों का यह समर्पण चिकित्सा क्षेत्र में गौरव की बात है।

लापरवाही पर सहायक सिटी प्लानर एवं भवन अधिकारी को नोटिस

ग्वालियर21 अप्रैल नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने कार्य में लापरवाही बरतने पर कार्यरत सहायक नगर निवेशक श्री महेन्द्र अग्रवाल एवं भवन अधिकार राकेश कश्यप को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निगमायुक्त संघ प्रिय द्वारा जारी नोटिस में कार्यरत सहायक नगर निवेशक महेन्द्र अग्रवाल एवं भवन अधिकारी श्री राकेश कश्यप द्वारा एबीपीएएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरती गई। जिसको लेकर दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

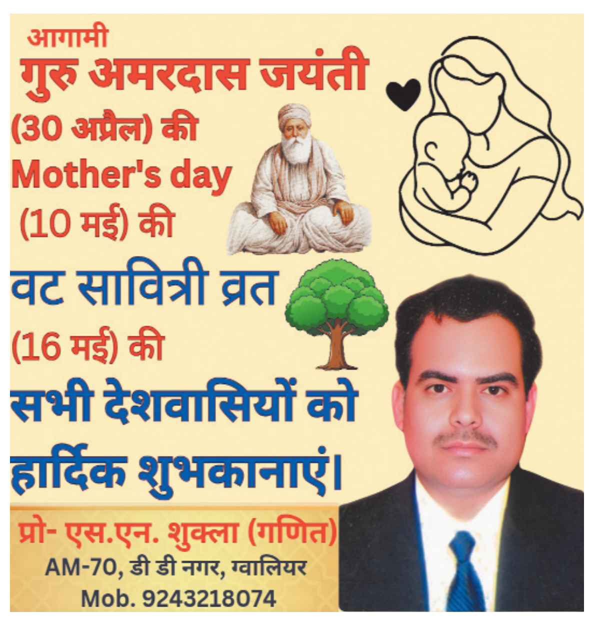

शब्दों की ताकत से बनता है प्रभावशाली इंटरव्यू : इरफान

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 21 अप्रैल. आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा सिने वर्स फिल्म क्लब के सहयोग से टीवी एवं डिजिटल इंटरव्यू स्किल्स विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बीबीसी हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार सैयद मोहम्मद इरफान ने छात्रों को मीडिया उद्योग की बारीकियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बदलते मीडिया परिदृश्य में इंटरव्यू की तकनीक, प्रस्तुति और व्यावहारिक कौशल से परिचित कराना था, ताकि वे भविष्य में बेहतर पत्रकार और संचारक बन सकें।

इरफान ने इंटरव्यू की मूल अवधारणाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक अच्छा इंटरव्यू

केवल प्रश्न पूछने तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक कला है जिसमें शब्दों के चयन, आवाज की स्पष्टता और भावनात्मक समझ का विशेष महत्व होता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन के दौरान आईटीएम विवि ग्वालियर के कुलपति प्रो. योगेश उपाध्याय ने कहा कि आज के डिजिटल युग में संचार कौशल का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। कार्यक्रम में संयोजक और विभाग प्रमुख डॉ मनीष जैसल ने कहा कि विभाग के छात्र मीडिया से जुडी जिन तकनीकी जानकारियों कक्षाओं में पढ़ते हैं उन्हें ऐसी कार्यशालाओं में उन्हें व्यावहारिक सत्रों से प्रक्टिकल एक्सपोजर मिलता है

छात्रों को ग्रुप इंटरव्यू के प्रश्न तैयार करने का कार्य दिया गया, जिससे उनमें विषय की समझ विकसित हो सके। इसके बाद मॉक इंटरव्यू के माध्यम से उन्हें वास्तविक स्थिति का अनुभव कराया गया। दोपहर के सत्र में कैमरा, माइक्रोफोन और फ्रेमिंग की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया गया।

कार्यशाला के समापन सत्र में छात्रों को संबोधित करते हुए विवि के डीएसडब्लू तृप्ति पाठक ने कहा कि एक पत्रकार को बेबाकी से अपने सवाल पूछने के साथ साथ अपने प्रश्नों को ड्राफ्ट अकर्ण भी सीखना चाहिए।

कार्यशाला में प्रथम दिन का मंच संचालन नैंसी राजपूत तथा दूसरे दिन वंशिका चौहान ने किया। कार्यक्रम में विभाग के छात्र युवराज यादव ने छात्र संयोजक की भूमिका निभाई कार्यशाला में विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि भंडारी, सोनाली सिंह, अंकित कुमार, शैलेश मिश, पीयूष चौहान, करण माठे, आशीष गोस्वामी तथा विभाग के छात्र उपस्थित रहे।